माँ अपने दरबार क्यों ना मुझको बुलाया है | By Mukesh Bagda |

माँ अपने दरबार
क्यों ना मुझको बुलाया है,
ना चरणों में बिठाया है,
माँ अपने दरबार,
क्यों ना मुझको बुलाया है।।

महिमा महारानी,
तेरे भवन की मैं,
जब भी सुनता हूँ,
मुझको तू मैया कब,
दर पे बुलाएगी,
मैं दिन ये गिनता हूँ,
जिसको तू चाहे,
वो चलके दर तेरे आया है,
क्यों मुझको ना बुलाया है,
माँ अपने दरबार,
क्यों ना मुझको बुलाया है।।

बेटा हूँ मैं तेरा,
माँ अम्बे जगदम्बे,
क्यों मुझको दूर करा,
दर्शन बिना तेरे,
क्या हाल है मेरा,
तू आके देख ज़रा,
एक तेरा ही नाम,
मैने मन में रमाया है,
क्यों मुझको ना बुलाया है,
माँ अपने दरबार,
क्यों ना मुझको बुलाया है।।

चिट्ठी मुझे भी माँ,
दर से तेरे आये,
करूँ माँ क्या जतन,
कब तू बुलाएगी,
मैं झूमता आऊँ,
मैया मैं तेरे भवन,
बेटे का नाता,
क्यों ना मुझसे निभाया है,
क्यों मुझको ना बुलाया है,
माँ अपने दरबार,
क्यों ना मुझको बुलाया है।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%85%e0%a4%aa%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%81/